प्रलिम्सि फैक्ट: 23 अप्रैल, 2021

- ‘ग्लोबल यूथ मोबलिाइज़ेशन’ पहल
- सविलि सेवा दविस
- पृथ्वी दविस

‘ग्लोबल यूथ मोबलिाइज़ेशन’ पहल

(Global Youth Mobilization Initiative)

हाल ही में कोरोना महामारी से प्रभावति समुदायों में युवाओं के लयि ‘ग्लोबल यूथ मोबलिाइज़ेशन’ नामक एक पहल शुरू की गई है।

- 23-25 अप्रैल, 2021 तक वर्चुअल माध्यम से आयोजति होने वाला ‘ग्लोबल यूथ समटि’ (GYS) युवाओं को लामबंद और एकजुट करने की दशिा में शुरुआती प्रयास है।
    - ‘ग्लोबल यूथ समटि’ का लक्ष्य 14-30 आयु वर्ग के युवाओं को एक नए दृष्टकिोण और कौशल के साथ-साथ अपने साथयिों, प्रतनिधियिों एवं नीतनिर्माताओं के साथ जुड़ने के लयि एक मंच प्रदान करना है।

प्रमुख बदि

- **परचिय: यह ऐसे युवाओं का एक आंदोलन है, जो महामारी के दौरान और उसके बाद अपने जीवन को सुधारने की दशिा में कार्रवाई कर रहे हैं।**
- **लक्ष्य**: युवाओं पर महामारी के नकारात्मक प्रभाव के मुद्दे को संबोधति करना और उन्हें भवषिय में कसिी अन्य आपदा से नपिटने के लयि तैयार करना है।
- **पहल में शामलि संगठन:** इस पहल को वशि्व के छह सबसे बड़े युवा संगठनों के साथ-साथ वशि्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और संयुक्त राष्ट्र (UN) फाउंडेशन द्वारा समर्थन प्राप्त है।
- **आवश्यकता:** आँकड़ों के मुताबकि, महामारी प्रतक्रियि उपायों से वशि्व भर के लगभग 1.2 बलियिन युवा प्रभावति हुए हैं।
    - महामारी के कारण शक्षिा, रोज़गार, सेवाओं के वतिरण और सामाजकि समर्थन में आए व्यवधान ने एक पूरी पीढ़ी के भवषिय को प्रभावति कयिा है।
- **वत्तिपोषण: ‘कोवडि-19 सॉलडिैरटिी रस्पिॉन्स फंड’ के समर्थन से ‘ग्लोबल यूथ मोबलिाइज़ेशन’ द्वारा वशि्व भर में युवाओं के नेतृत्व में समाधानों और कार्यक्रमों का समर्थन तथा उनका वस्तिार कयिा जाएगा।**
    - ‘कोवडि-19 सॉलडिैरटिी रस्पिॉन्स फंड’ को वशि्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ‘संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन’ और ‘स्वसि फलिांथ्रोपी फाउंडेशन’ की मदद से स्थापति कयिा गया था।

सविलि सेवा दविस

Civil Services Day

भारत सरकार द्वारा हर वर्ष 21 अप्रैल को **सविलि सेवा दविस** (Civil Services Day) के रूप में मनाया जाता है।

प्रमुख बदि

सविलि सेवा दविस के वषिय में:

- इस दविस के अवसर पर भारतीय प्रशासनकि सेवा और राज्य प्रशासनकि सेवा के सदस्य नागरकिों के प्रतअिपनी प्रतबिद्धता को पुनः याद करते

हैं।

- स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री **सरदार वल्लभभाई पटेल** ने 21 अप्रैल, 1947 को दिल्ली के मेटकॉफ हाउस में प्रशासनिक सेवा के प्रोबेशनरी अधिकारियों को संबोधित किया था। तभी से 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।
    - इन्होंने सिविल सेवकों को **'भारत का स्टील फ्रेम'** (Steel Frame of India) कहा था।

सिविल सेवा दिवस समारोह:

- सिविल सेवा दिवस को पहली बार दिल्ली के विज्ञान भवन में 21 अप्रैल, 2006 को मनाया गया था।
- इस दिवस के अवसर पर 'लोक प्रशासन में विशिष्टता के लिये प्रधानमंत्री पुरस्कार' (Prime Minister's Awards for Excellence in Public Administration) प्रदान किये जाते हैं। ये पुरस्कार ज़िला इकाइयों में सरकारी योजनाओं और नवाचार को बढ़ावा देने के लिये प्रदान किये जाते हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल

// 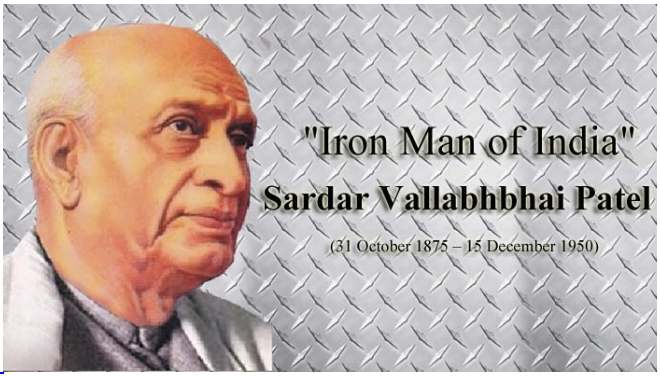

- इनका जन्म 31 अक्तूबर, 1875 को नाडियाड, गुजरात में हुआ था।
    - सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को प्रत्येक वर्ष **राष्ट्रीय एकता दिवस** (National Unity Day) के रूप में मनाया जाता है।
- ये स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री थे।
- इन्होंने मज़बूत भारतीय संघ का निर्माण करने के लिये देशी रियासतों के एकीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- बारडोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि दी थी, जिसका अर्थ है 'प्रमुख या नेता'।
- भारतीय रियासतों को भारतीय महासंघ में एकीकरण के लिये राज़ी करने तथा इस कार्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु सरदार पटेल को**भारत के लौह पुरुष**' (Iron Man of India) के रूप में जाना जाता है।
- उन्होंने भारत को एक अग्रणी भारत (श्रेष्ठ भारत) बनाने हेतु भारतीय लोगों से एकजुट होने का अनुरोध किया।
    - प्रधानमंत्री ने वर्ष 2015 में सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर **एक भारत श्रेष्ठ भारत** (Ek Bharat Shreshtha Bharat) की घोषणा की थी।
- सरदार पटेल को आधुनिक अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना करने हेतु **'भारतीय सिविल सेवकों के संरक्षक संत'** (Patron Saint of India's Civil Servants) के रूप में भी जाना जाता है।
- **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी** (Statue of Unity) का निर्माण सरदार वल्लभ भाई पटेल के सम्मान में गुजरात के नर्मदा ज़िले के केवडिया में किया गया।

पृथ्वी दिवस

Earth Day

प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस (Earth Day) मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इसके संरक्षण के लिये प्रेरित करना है।

- वर्ष 2021 की पृथ्वी दिवस थीम **'रीस्टोर अवर अर्थ'** (Restore Our Earth) थी, जिसके अंतर्गत विश्व की पारिस्थितिकि तंत्र को पुनः बहाल करने के लिये प्राकृतिक प्रक्रियाओं, उभरती हुई हरित प्रौद्योगिकियों और नई सोच पर ज़ोर दिया गया।

प्रमुख बिंदु

पृष्ठभूमि:

- प्रथम बार पृथ्वी दिवस वर्ष 1970 में मनाया गया था। इसकी शुरुआत अमेरिकी सीनेटर **गेलॉर्ड नेल्सन** (Gaylord Nelson) के उस आह्वान के बाद हुई जिसके फलस्वरूप लगभग 20 मिलियन लोग पर्यावरणीय गिरावट के विरोध में सड़कों पर उतरे गए थे।
    - इसे वर्ष 1969 की **सांता बारबरा** (Santa Barbara) में तेल रिसाव की घटना के साथ-साथ स्मॉग और प्रदूषित नदियों जैसे अन्य मुद्दों ने बढ़ावा दिया।

- संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2009 में 22 अप्रैल को **'अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस'** ('International Mother Earth Day) के रूप में मनाने की घोषणा की।

पृथ्वी दिवस के विषय में:

- पृथ्वी दिवस को वैश्विक स्तर पर एक गैर-लाभकारी संगठन EARTHDAY.ORG द्वारा समायोजित किया जाता है। इसे पहले**अर्थ डे नेटवर्क** (Earth Day Network) के रूप में जाना जाता था।
  - इसका उद्देश्य "लोगों और पृथ्वी में परिवर्तनकारी बदलाव लाने हेतु विश्व के सबसे बड़े पर्यावरण आंदोलन का निर्माण करना है।"
  - यह एक सामूहिक ज़िम्मेदारी को स्वीकार करता है, जैसा कि वर्ष 1992 के **रियो घोषणापत्र** (पृथ्वी शिखर सम्मेलन) में प्रकृति और पृथ्वी के साथ सद्भाव को बढ़ावा देने के लिये कहा गया है ताकि मानवता की वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों की आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।
  - गौरतलब है कि इसके अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के कारण वर्ष 2016 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु ऐतिहासिक पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर के लिये पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल, 2016) के दिन को ही चुना गया था।

अन्य महत्त्वपूर्ण दिवस

- 22 मार्च: **विश्व जल दिवस**
- 22 अप्रैल: **पृथ्वी दिवस**
- 22 मई: **अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस**
- 5 जून: **विश्व पर्यावरण दिवस**
- अर्थ ओवरशूट डे

अर्थ आवर

- अर्थ आवर **(Earth Hour)**, **वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड फॉर नेचर** (WWF) की वार्षिक पहल है जिसे वर्ष 2007 में शुरू किया गया था। इसे प्रत्येक वर्ष मार्च के अंतिम शनिवार को आयोजित किया जाता है।
- यह 180 से अधिक देशों के लोगों को अपने स्थानीय समय के अनुसार रात 8.30 से रात 9.30 बजे तक रोशनी बंद करने के लिये प्रोत्साहित करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-23-april-2021